बटेर पालन

एक लाभकारी व्यवसाय

ए कुंडू

टी सुजाता

एम एस कुंडू

जय सुंदर

पशु विज्ञान विभाग

केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान

Japanees Quail (Coturnix japonica) को आम बोलचाल की भाषा में जापानी बटेर कहते हैं। बटेर को मुख्यतः मांस के लिए के पाला जाता है। किन्तु आजकल बटेर के अंडो का विभिन्न तकनीकों द्वारा प्रसंस्करण करके अन्य उत्पाद बनाने के लिए पाला जाता है। किन्तु आजकल बटेर के अंडो का विभन्न तकनीकों द्वारा प्रसंस्करण करके अन्य उत्पाद बनाने के लिए भी उपयोग किया जा रहा है। बटेर को अंडा एवं मांस उत्पादन हेतु एक उत्तम पक्षी कहा जा सकता है। इसके विशेष गुण निम्न प्रकार है।

- एक मुर्गी के स्थान पर 6–8 बटेर रख सकते हैं।
- बटेर 6–7 सप्ताह् मे अंडे देना शुरु कर देती हैं।
- यह एक वर्ष में 280–300 अंडे देती है।
- मुर्गी के अंडो की तुलना में इनके अंडो का वज़न कम होता है। (11–12 ग्राम)
- बटेर के अंडो के प्रस्फुटन का समय 16–18 दिन का होता है।
- पाँच बटेरों के लिए प्रति माह 2–2.5 किलोग्राम आहार की जरुरत होती है।
- मांस वाली बटेर 5–6 हफ़्तों में 180–200 ग्राम तक कि बेचने योग्य हो जाती है।
- मांस वाली बटेरों की एक वर्ष में 8–12 फसल ली जा सकती है।
- मुर्गी कि तुलना में बटेर को कम देखभाल की जरुरत होती है।
- बटेर के अंडे छोटे होने के कारण इनका आचार ज्यादा प्रचलित है।

बटेर पालन कैसे करें

व्यवसायिक रुप से बटेर पालन करने से पहले इस व्यवसाय हेतु कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ होना अति–आवश्यक है।

उन्नत नस्ल के बटेर चूजों का चुनाव

उन्नत नस्ल के ब्रायलर बटेर या अधिक अंडे देने वाली लेयर बटेर के चुजों का होना आवश्यक है। बटेर के चुजे केन्द्रीय कृषि अनुसन्धान संस्थानए पोर्ट ब्लेयर से प्राप्त किए जा सकते हैं।

संतुलित और सस्ता आहार

बटेरों में उचित शारीरिक विकास व अंडा उत्पादन के लिए संतुलित आहार का प्रतिदिन उचित मात्रा में दिया जाना आवश्यक है जो कि निम्न अवयवों से बनाया जाता है।

संघटक भाग/100 भाग	बटेर स्टार्टर (0–3 सप्ताह) हेतु		लेयर बटेर हेतु	
	I	II	I	II
ब्रायलर कंसट्रेट		56.00		45.00
मक्का	42.00	20.00	45.00	25.00
चावल कनी	15.00	12.00	10.00	10.00
चावल घुटा			6.00	
मूँगफली की खली	15.00		12.00	
गेहूँ की चोकर		12.00		15.00
सोयाबीन की खली	15.00		10.00	
मछली का चुरा	10.00		10.00	
डाइकैल्सियम फॉसफेट	1.5		1.5	
चुना पत्थर/सीपी का चुरा	1.0		5.00	5.00
सादा नमक	0.2		0.2	
विटामिन एवं खनिज लवण	0.3		0.2	
कुल	100.00	100.00	100.00	100.00

उत्तम व्यवसाय प्रबन्ध

एक अच्छे प्रबन्धन में बटेरों को अनुकूल वातावरण प्रदान करना, उचित आवास व्यवस्था एवं प्रत्येक कार्य पूर्ण रुप से सही समय पर करना, स्वास्थय की देखभाल नियमित रुप से करना सम्मिलित है। उत्तम प्रबन्धन होने पर व्यवसाय सदैव लाभप्रद होगा।

चूजों के आने से पहले निम्न बातों का ध्यान रखें

- चूजों के आने से दस दिन पहले ब्रूडर गृह, दाना–पानी के बर्तन व बिछावन को जीवाणु रहित कर लेना चाहिए।
- चुजों के आने से 24 घण्टे पहले दाना–पानी के बर्तनों की व्यवस्था ब्रडर गृह में कर लें।
- बिछावन को 6–8 सेमी मोटी पर्त में बिछाए।

बिछावन या बैटरी ब्रूडर पिंजरों में कोरुगेटेड पेपर बिछाना चाहिए। इससे चुजों के पैर नही फैलते, साथ ही साथ घूमना फिरना सुगमतपूर्वक होता है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें या लिखें

पशु विज्ञान विभाग

केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान

पोर्ट ब्लेयर

View publication stats